हिन्दी को बनानी होगी रोजगार की भाषा: डॉ. राजेश कुमार दुबे

हिन्दी भाषा में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का किया आह्वान

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ हिन्दी से केवल भावनात्मक लगाव रखने से काम नहीं चलने वाला। इसके लिये हमें हिन्दी भाषा में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का शिक्षण आरम्भ करना होगा। उक्त बातें हिन्दी दिवस के अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में यूजीसी एचआरडीसी जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर राजेश कुमार दुबे बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होने आगे कहा कि आज सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को यह संकल्प लेना होगा कि हमें अपनी लोकभाषाओं को हिन्दी के साथ संयुक्त रूप से जोड़ना है। जब तक हम हिन्दी भाषा को रोजगार से नहीं जोड़ेंगे तब तक हर व्यक्ति की आवश्यकता की भाषा नहीं हो सकेगी। अध्यक्षता करते हुए पूर्व पुलिस महानिरीक्षक राजस्थान पुलिस कल्याणमल शर्मा ने कहा कि हिन्दी में वह शक्ति है कि वह पूरे विश्व के लोगों को एक सूत्र में जोड़ सकती है। आवश्यकता है कि हम हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग बरतें। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने युगशलाकाओं को याद करते हुए आने वाली पीढ़ी को हिन्दी का मान बढ़ाने की अपील की। साथ ही उन्होने कहा कि भारतीय सिनेमा से लेकर साहित्य ने हिन्दी को प्रचारित-प्रसारित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया और कुलपति प्रो. (डॉ.) सर्वोत्तीम दीक्षित ने सफल कार्यक्रम की हार्दिक बधाई दी। स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजिका डॉ. पूजा गुप्ता ने दिया तथा विषय प्रतिस्थापना डॉ. शुभदा पाण्डेय ने की। डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. महेष चन्द्र दुबे, कृष्णा शर्मा, रूप लाल भट्ट, मीर मेहरीन आदि ने कविता एवं गीत की प्रस्तुति दी। ईशिका गदिया एवं सलोनी शर्मा ने वृद्धाश्रम विषय पर नाटक की प्रस्तुति दी। अन्त में हिन्दी दिवस पर आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जिनमें प्रथम पुरस्कार अभिषेक कुमार, द्वितीय सलोनी शर्मा और गार्गी व्यास तथा तृतीय अभिनय कुमार और शैलजा शर्मा को मिला। साथ ही अब्दुल सत्तार को विषिष्ट पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अब्दुल सत्तार तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. महेष चन्द्र दुबे ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पण, दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत के साथ तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम के दौरान कुमार दुष्यन्त द्वारा लिखित पुस्तक 'लम्हे-एहसास के' का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर डायरेक्टर अकेडमिक्स, डी. के. शर्मा, उपकुलसचिव दीप्ती शास्त्री, प्रो. चित्रलेखा सिंह, डॉ. अरूणा दुबे, डॉ. ज्योति सिंह राघव, राखी सिंह, राजेश्वरी भाटी, कायनात बानू, उपस्थित रहे।

हिन्दी को बनानी होगी रोजगार की भाषा : डॉ. दुबे

हिन्दी भाषा में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का किया आह्वान

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी)। हिन्दी से केवल भावनात्मक लगाव रखने से काम नहीं चलने वाला। इसके लिये हमें हिन्दी भाषा में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का शिक्षण आरम्भ करना होगा। उक्त बातें हिन्दी दिवस के अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में यूजीसी एचआरडीसी जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर राजेश कुमार दुबे बतौर मुख्य अतिथि कही।

उन्होने आगे कहा कि आज सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को यह संकल्प लेना होगा कि हमें अपनी लोकभाषाओं को हिन्दी के साथ संयुक्त रूप से जोड़ना है। जब तक हम हिन्दी भाषा को रोजगार से नहीं जोड़ेंगे तब तक हर व्यक्ति की आवश्यकता की भाषा नहीं हो सकेगी। अध्यक्षता करते हुए पूर्व पुलिस महानिरीक्षक राजस्थान पुलिस कल्याणमल शर्मा ने कहा कि हिन्दी में वह शक्ति है कि वह

पूरे विश्व के लोगों को एक सूत्र में जोड़ सकती है। आवश्यकता है कि हम हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग बरतें।

प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने युगशलाकाओं को याद करते हुए आने वाली पीढ़ी को हिन्दी का मान बढ़ाने की अपील की। साथ ही उन्होने कहा कि भारतीय सिनेमा से लेकर साहित्य ने हिन्दी को प्रचारित-प्रसारित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया और कुलपति प्रो. (डॉ.) सर्वोत्तीम दीक्षित ने सफल कार्यक्रम की हार्दिक बधाई दी। स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजिका डॉ. पूजा गुप्ता ने दिया तथा विषय प्रतिस्थापना डॉ. शुभदा पाण्डेय ने की।

डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. महेष चन्द्र दुबे, कृष्णा शर्मा, रूप लाल भट्ट, मीर मेहरीन आदि ने कविता एवं गीत की प्रस्तुति दी। ईशिका गदिया एवं सलोनी शर्मा ने वृद्धाश्रम विषय पर नाटक की प्रस्तुति दी। अन्त में हिन्दी दिवस पर आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जिनमें प्रथम पुरस्कार अभिषेक कुमार, द्वितीय सलोनी शर्मा और गार्गी व्यास तथा तृतीय अभिनय कुमार और शैलजा शर्मा को मिला। साथ ही अब्दुल सत्तार को विषिष्ट पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अब्दुल सत्तार तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. महेष चन्द्र दुबे ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पण, दीप प्रज्वलन एवं कुलगीत के साथ तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम के दौरान कुमार दुष्यन्त द्वारा लिखित पुस्तक 'लम्हे-एहसास के' का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर डायरेक्टर अकेडमिक्स, डी. के. शर्मा, उपकुलसचिव दीसी शास्त्री, प्रो. चित्रलेखा सिंह, राखी सिंह, राजेश्वरी भाटी, कायनात बानू, उपस्थित रहे।

हिन्दी को बनानी होगी रोजगार की भाषा - डॉ. दुबे

हिन्दी भाषा में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का किया आह्वान

▪ दास्ताने भीलवाड़ा @ भीलवाड़ा

चित्तौड़गढ़। हिन्दी से केवल भावनात्मक लगाव रखने से काम नहीं चलने वाला। इसके लिये हमें हिन्दी भाषा में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का शिक्षण आरम्भ करना होगा। उक्त बातें हिन्दी दिवस के अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में यूजीसी एचआरडीसी जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर राजेश कुमार दुबे बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होने आगे कहा कि आज सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को यह संकल्प लेना होगा कि हमें अपनी लोकभाषाओं को हिन्दी के साथ संयुक्त रूप से जोड़ना है। जब तक हम हिन्दी भाषा को रोजगार से नहीं जोड़ेंगे तब तक हर व्यक्ति की आवश्यकता की भाषा नहीं हो सकेगी। अध्यक्षता करते हुए पूर्व पुलिस महानिरीक्षक राजस्थान पुलिस कल्याणमल शर्मा ने कहा कि हिन्दी में वह शक्ति है कि वह पूरे विश्व के लोगों को एक सूत्र में जोड़ सकती है। आवश्यकता है कि हम हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग बरतें। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने युगशलाकाओं को याद करते हुए आने वाली पीढ़ी को हिन्दी का मान बढ़ाने की अपील की। साथ ही उन्होने कहा कि भारतीय सिनेमा से लेकर साहित्य ने हिन्दी को प्रचारित-प्रसारित करने में

महत्वपूर्ण योगदान दिया। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया और कुलपति प्रो. (डॉ.) सर्वोत्तीम दीक्षित ने सफल कार्यक्रम की हार्दिक बधाई दी। स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजिका डॉ. पूजा गुप्ता ने दिया तथा विषय प्रतिस्थापना डॉ. शुभदा पाण्डेय ने की। डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. महेष चन्द्र दुबे, कृष्णा शर्मा, रूप लाल भट्ट, मीर मेहरीन आदि ने कविता एवं गीत की प्रस्तुति दी। ईशिका गदिया एवं सलोनी शर्मा ने वृद्धाश्रम विषय पर नाटक की प्रस्तुति दी। अन्त में हिन्दी दिवस पर आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जिनमें प्रथम पुरस्कार अभिषेक कुमार, द्वितीय सलोनी शर्मा और गार्गी व्यास तथा तृतीय अभिनय कुमार और शैलजा शर्मा को मिला। साथ ही अब्दुल सत्तार को विषिष्ट पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अब्दुल सत्तार तथा धन्यवाद ज्ञापित डॉ. महेश चन्द्र दुबे ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पण, दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत के साथ तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम के दौरान कुमार दुष्यन्त द्वारा लिखित पुस्तक 'लम्हे-एहसास के' का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर डायरेक्टर अकेडमिक्स, डी. के. शर्मा, उपकुलसचिव दीप्ती शास्त्री, प्रो. चित्रलेखा सिंह, डॉ. अरूणा दुबे, डॉ. ज्योति सिंह राघव, राखी सिंह, राजेश्वरी भाटी, कायनात बानू, उपस्थित रहे।

हिन्दी को बनानी होगी रोजगार की भाषा - डॉ. राजेश कुमार दुबे
हिन्दी भाषा में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का किया आह्वान

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। हिन्दी से केवल भावनात्मक लगाव रखने से काम नहीं चलने वाला। इसके लिये हमें हिन्दी भाषा में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का शिक्षण आरम्भ करना होगा। उक्त बातें हिन्दी दिवस के अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में यूजीसी एचआरडीसी जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर राजेश कुमार दुबे बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होने आगे कहा कि आज सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को यह संकल्प लेना होगा कि हमें अपनी लोकभाषाओं को हिन्दी के साथ संयुक्त रूप से जोड़ना है। जब तक हम हिन्दी भाषा को रोजगार से नहीं जोड़ेंगे तब तक हर व्यक्ति की आवश्यकता की भाषा नहीं हो सकेगी। अध्यक्षता करते हुए पूर्व पुलिस महानिरीक्षक राजस्थान पुलिस कल्याणमल शर्मा ने कहा कि हिन्दी में वह शक्ति है कि वह पूरे विश्व के लोगों को एक सूत्र में जोड़ सकती है। आवश्यकता है कि हम हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग बरतें। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने युगशलाकाओं को याद करते हुए आने वाली पीढ़ी को हिन्दी का मान बढ़ाने की अपील की। साथ ही उन्होने कहा कि भारतीय सिनेमा से लेकर साहित्य ने हिन्दी को प्रचारित-प्रसारित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया और कुलपति प्रो. (डॉ.) सर्वोत्तीम दीक्षित ने सफल कार्यक्रम की हार्दिक बधाई दी। स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजिका डॉ. पूजा गुप्ता ने दिया तथा विषय प्रतिस्थापना डॉ. शुभदा पाण्डेय ने की। डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. महेष चन्द्र दुबे, कृष्णा शर्मा, रूप लाल भट्ट, मीर मेहरीन आदि ने कविता एवं गीत की प्रस्तुति दी। ईशिका गदिया एवं सलोनी शर्मा ने वृद्धाश्रम विषय पर नाटक की प्रस्तुति दी। अन्त में हिन्दी दिवस पर आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जिनमें प्रथम पुरस्कार अभिषेक कुमार, द्वितीय सलोनी शर्मा और गार्गी व्यास तथा तृतीय अभिनय कुमार और शैलजा शर्मा को मिला। साथ ही अब्दुल सत्तार को विषिष्ट पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अब्दुल सत्तार तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. महेष चन्द्र दुबे ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पण, दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत के साथ तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम के दौरान कुमार दुष्यन्त द्वारा लिखित पुस्तक 'लम्हे-एहसास के' का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर डायरेक्टर अकेडमिक्स, डी. के. शर्मा, उपकुलसचिव दीप्ती शास्त्री, प्रो. चित्रलेखा सिंह, डॉ. अरूणा दुबे, डॉ. ज्योति सिंह राघव, राखी सिंह, राजेश्वरी भाटी, कायनात बानू, उपस्थित रहे।

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में हिन्दी भाषा का आह्वान

हिन्दी को बनानी होगी रोजगार की भाषा:डॉ. दुबे

निम्बाहेड़ा, 14 सितम्बर (जसं.)। हिन्दी से केवल भावनात्मक लगाव रखने से काम नहीं चलने वाला। इसके लिये हमें हिन्दी भाषा में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का शिक्षण आरम्भ करना होगा।

यह बात हिन्दी दिवस के अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में यूजीसी एचआरडीसी जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर राजेश कुमार दुबे ने बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होने आगे कहा कि आज सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को यह संकल्प लेना होगा कि हमें अपनी लोक भाषाओं को हिन्दी के साथ संयुक्त रूप से जोड़ना है। जब तक हम हिन्दी भाषा को रोजगार से नहीं जोड़ेंगे तब तक हर व्यक्ति की आवश्यकता की भाषा नहीं हो सकेगी। अध्यक्षता करते हुए पूर्व पुलिस महानिरीक्षक राजस्थान पुलिस कल्याणमल शर्मा ने कहा कि हिन्दी में वह शक्ति है कि वह पूरे विष्व के लोगों को एक सूत्र में जोड़ सकती है। आवश्यकता है कि हम हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग बरतें। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने युगशलाकाओं को याद करते हुए आने वाली पीढ़ी को हिन्दी का मान

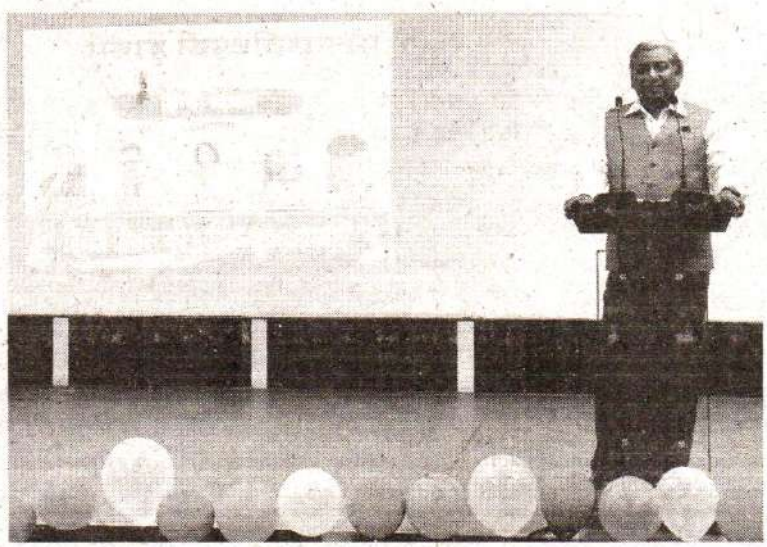

बढ़ाने की अपील की। साथ ही उन्होने कहा कि भारतीय सिनेमा से लेकर साहित्य ने हिन्दी को प्रचारित-प्रसारित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मेवाड़ विष्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.अशोक कुमार गदिया और कुलपति प्रो. (डॉ.) सर्वोत्तम दीक्षित ने सफल कार्यक्रम की हार्दिक बधाई दी। स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजिका डॉ. पूजा गुप्ता ने दिया तथा विषय प्रतिस्थापना डॉ. शुभदा पाण्डेय ने की। डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. महेश चन्द्र दुबे, कृष्णा शर्मा, रूप लाल भट्ट, मीर मेहरीन आदि ने कविता एवं गीत की प्रस्तुति दी।

ईशिका गदिया एवं सलोनी शर्मा ने वृद्धाश्रम विषय पर नाटक की प्रस्तुति दी। अन्त में हिन्दी दिवस पर आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जिनमें प्रथम पुरस्कार अभिषेक कुमार, द्वितीय सलोनी शर्मा और गार्गी व्यास तथा तृतीय अभिनय कुमार और शैलजा शर्मा को मिला। साथ ही अब्दुल सत्तार को विशिष्ट पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अब्दुल सत्तार तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. महेश चन्द्र दुबे ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पण, दीप प्रज्वलन एवं कुलगीत के साथ तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम के दौरान कुमार दुष्यन्त द्वारा लिखित पुस्तक 'लम्हे-एहसास के' का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर डायरेक्टर अकेडमिक्स, डी. के. शर्मा, उपकुलसचिव दीप्ती शास्त्री, प्रो. चित्रलेखा सिंह, डॉ. अरूणा दुबे, डॉ. ज्योति सिंह राघव, राखी सिंह, राजेश्वरी भाटी, कायनात बानू आदि उपस्थित रहे।

Jannayak 15-09-2022